'मुद्रा का महत्व'

(Importance of Money)

शास्त्री - IInd
Date 27/08/20.

मुद्रा एक ऐसी वस्तु है, जो विनिमय के माध्यम, मूल्य के मापक, स्थगित भुगतान के मान, तथा मूल्यों के संचय के साधन के रूप में स्वतंत्र विस्तृत तथा सामान्य रूप से लोगों द्वारा स्वीकार (accept) की जाती है। (So money is a matter of function four a medium a measure a standard and store.) मुद्रा के महत्व के बारे में Prof Marshall का कहना है कि - "मुद्रा वह धुरी है, जिसके चारों ओर सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चक्कर लगाती है।" (Money is the pivot around which the whole economic science clusters.") वास्तव में आज मानव का प्रत्येक कार्य मुद्रा पर ही आधारित है। बड़े बड़े उद्योग, विशाल उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा प्रत्येक प्रकार का लेन-देन मुद्रा के द्वारा ही सम्पन्न होता है। मुद्रा के महत्व के सम्बंध में दो मत है। पहला मत है कि मुद्रा एक महत्वहीन वस्तु है। दूसरा मत मुद्रा एक अति महत्वपूर्ण वस्तु है। पहले मत के अनुसार (J.S. Mill) - "आधुनिक अर्थ में मुद्रा से अधिक महत्व की कोई वस्तु नहीं है। यह केवल श्रम तथा समय की बचत में सहायता करती है। वास्तव में प्राचीन अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा को कम महत्वपूर्ण एवं अनुत्पादक समझा। एडम स्मिथ ने यहाँ तक कहा था कि मुद्रा उस रास्ते के समान है जिस पर घास का तिनका भी उत्पन्न नहीं होता है। इसका विचार ठीक इसके विपरीत है Crowther तथा मार्शल मुद्रा को अत्यधिक महत्वपूर्ण मानते हैं, क्योंकि मुद्रा आधुनिक उद्योग तंत्र की धमनियों में रक्त की भाँति प्रवाहित होती है। Crowther के शब्दों में "जो महत्व यंत्रशास्त्र में पहिये का, विज्ञान में अग्नि, तथा राजनीति में मत का है, वही स्थान मनुष्य के आर्थिक जीवन में मुद्रा के आविष्कार का है।" आधुनिक युग में मनुष्य की सभी आर्थिक क्रियाएँ मुद्रा के बिना संभव नहीं है, मुद्रा की जो प्रशंसा की जाए वह कम ही रहेगा। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मुद्रा महत्वपूर्ण है। इसीलिए तो मुद्रा को "मूल्य आपत्ती की जड़" कहते हैं। इसके ठीक विपरीत - "मुद्रा जो मनुष्य मात्र के लिए अनेक वरदानों का स्रोत है, अनियंत्रित होने पर संकट एवं अस्तव्यस्तता का कारण बन जाती है।"

R.U.S. College Saharsa. — [signature] 27/08/20

शास्त्री [illegible] OBJECTIVE QUESTION

प्रथम वर्ष

प्रश्नों के चार विकल्प एक सही मे (ARROW) का निशान

शास्त्री - [illegible]

(A) भारत में पंचवर्षीय योजना कब प्रारम्भ हुआ - (i) 1947 (ii) 1950 (iii) 1948 (iv) 1951

(B) अर्थशास्त्र की आधुनिक परिभाषा किसने दी है - (i) एडम स्मिथ (ii) रिकार्डो (iii) रॉबिन्स (iv) मार्शल

(C) "अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है" - किसका कथन है - (i) रॉबिन्स (ii) मार्शल (iii) एडम स्मिथ (iv) रिकार्डो

(D) मानवीय आवश्यकताएं हैं :- (i) सीमित (ii) असीमित (iii) इनमें से कोई नहीं (iv) प्रगतिशील

(E) माँग एवं इच्छा में अंतर होता है :- (i) अन्तर होता है (ii) इनमें अंतर नहीं होता है (iii) संबंध नहीं होता है (iv) इनमें से कोई नहीं

(F) गिफ्फन वस्तु के साथ माँग का नियम - (i) लागू होता है (ii) लागू नहीं होता है - (iii) इनमें से कोई नहीं (iv) दोनों में होता है

(G) पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी है :- (i) कृषि (ii) वर्षा (iii) वृक्ष (iv) इनमें से कोई नहीं।

(H) उपविभाजन एवं अपखंडन कृषि के लिए है :- (i) लाभकारी (ii) असाम कारी (iii) दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं।

(I) आर्थिक नियम किस नियम के समान है :- (i) वैज्ञानिक (ii) व्यापारिक (iii) वैधानिक (iv) इनमें से कोई नहीं

(J) कृषि बैंक ऋण देते हैं :- (i) मजदूरों को (ii) किसानों को (iii) व्यापारियों को (iv) इनमें से कोई नहीं

(K) विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से भारत का स्थान — (i) प्रथम (ii) द्वितीय (iii) चतुर्थ (iv) तृतीय

R.K.S. College Sukhbeng Purnia

[illegible]

27/08/20.

R.B.I — उपशास्त्री-II year

बोर्ड में एक निदेशक, एक सरकारी अधिकारी भारत सरकार की मनसा से मनोनीत होता है। इन चार निदेशकों में प्रायः व्यापार, उद्योग, सहकारिता आदि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं। सरकारी अधिकारी प्रायः भारत सरकार का वित्त सचिव होता है। गवर्नर तथा डिप्टी गवर्नर का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है।

केन्द्रीय बोर्ड के अतिरिक्त चार स्थानीय बोर्ड कलकत्ता, Bombay तथा Madras एवं नई दिल्ली में हैं। इनमें 5-5 सदस्य होते हैं। इनके सदस्यों का कार्यकाल 4 वर्षों का होता है। संगठन की दृष्टि से रिजर्व बैंक को अनेक विभागों में बांटा गया है - (1) नोट निर्गमन विभाग (2) बैंकिंग विभाग (3) बैंकिंग परिचालन एवं विकास विभाग (3) कृषि साख विभाग (4) विनिमय नियंत्रण विभाग (5) बैंकिंग निरीक्षण विभाग (6) विधि विभाग (7) गैर बैंकिंग कम्पनी विभाग (8) शोध विभाग। (9) आर्थिक विभाग।

उपर्युक्त विभागों के अतिरिक्त केन्द्रीय कार्यालय में प्रशासनिक व आर्थिक विभाग, योजना एवं व्यय विभाग, परिसर विभाग और प्रबंधकीय सेवा विभाग है। रिजर्व बैंक का केन्द्रीय कार्यालय ~~Bank~~ Bombay में जहाँ बैंक का एक सचिवालय भी है।

— x —

Bhawna

up Shastri IInd.

27/8/20

34 शास्त्री-IInd 'भारत का केन्द्रीय बैंक' रिजर्व बैंक आफ इंडिया R.B.I. Date

27/8/20 34 शास्त्री II nd

भारत में केन्द्रीय बैंक के रूप में रिजर्व बैंक आफ इंडिया 1st April 1935 से कार्य प्रारम्भ कर दिया। रिजर्व बैंक की स्थापना का मुख्य उद्देश्य देश में केन्द्रीय बैंकिंग का विकास करना था, जिससे मौद्रिक एवं बैंकिंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सके। इसके मूल उद्देश्य निम्नलिखित हैं:— (I) रुपये के बाह्य एवं आन्तरिक मूल्यों स्थायित्व लाना। (II) साख एवं मुद्रा नीतियों में समन्वय स्थापित करना। (III) व्यापारिक नकद कोषों के संकेन्द्रण करना (IV) व्यावसायिक बैंकों का समुचित विकास। (V) कृषि साख की व्यवस्था करना। (VI) मुद्रा बाजार का संगठन एवं विकास करना इत्यादि।

रिजर्व बैंक की स्थापना निजी क्षेत्र में की गयी थी। इसकी स्थापना के समय से ही इसके राष्ट्रीयकरण का प्रश्न उठाया जा रहा था। यह कार्य अन्त में रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण 1948 में सम्पन्न हुआ। 1 Jan 1949 से रिजर्व बैंक एक राष्ट्रीयकृत संस्था के रूप में कार्य कर रही है। इस बैंक पर पूर्ण रूप से केन्द्रीय सरकार का स्वामित्व एवं नियंत्रण है। यह देश में मौद्रिक एवं बैंकिंग क्षेत्र में सर्वोच्च संस्था है।

रिजर्व बैंक का संगठन: RBI के सम्पूर्ण संचालन का भार केन्द्रीय निर्देशक मंडल में निहित होता है जिसके सदस्यों की संख्या 20 होती है। इस team में एक गवर्नर तथा अधिक से अधिक चार डिप्टी गवर्नर केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। चार निर्देशक चारों स्थानीय मंडल से मनोनीत होते हैं।

P. T. O ———